Voice of Jaipur

VOICE OF JAIPUR

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	09-Dec- To 15 Dec-2017	03

690 events are being held across Rajasthan to celebrate the enrollment of over 2,00,000 out-of-school girls

Jaipur, December 5th 2017: Educate Girls, a nonprofit working to leverage existing community and government resources for girls' education in marginalized areas,is celebrating 10 years of its impactful work in India. The organization's community volunteers known as 'Team Balika'will acknowledge this milestone through 690 celebratory events across Rajasthan. In the last decade, the organisationhas enrolled over 2,00,000 out-of-school girls and has improved learning outcomes for 6,50,000 children in Rajasthan and Madhya Pradesh. Educate Girls along with their 8000+ Team Balika members are organizing the events across 10 districts of Rajasthan between 5th to 21st December 2017. Team Balika members are also taking this opportunity to sign a pledge committing to ensure every girl is in school and every child has access to quality education in their respective villages in the districts of Pali, Jalore, Sirohi, Ajmer, Bundi, Bhilwara, Rajsamand, Udaipur, Jhalawar and Banswara.

Navjyoti Express

नवज्योति Express

Dainik Navjyoti

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	08-Dec-2017	01

प्रदेश में 2 लाख लड़कियों को स्कूल से जोड़ा

ये बेटियां नहीं जा रही थी स्कूल, अलग-अलग समुदाय में 690 से अधिक कार्यक्रम किए आयोजित

नव एक्सप्रेस

प्रदेशभर में 2 लाख लड़कियां स्कूल नहीं जा रही थी, लेकिन अब उनको स्कूलों से जोड़ दिया गया है। सृजनात्मक शिक्षण तकनीकों के तहत राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में 6,50,000 से अधिक बच्चों की शिक्षण स्तर में सुधार किया। इन्हीं उपलब्धियों के साथ शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा के लिए सामुदायिक और सरकारी संसाधनों को उन्नत करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स भारत में अपना 10वां स्थापना दिवस मना रही है। इस संस्था की 'टीम बालिका' नामक सामुदायिक स्वयं सेवक राजस्थान के 690 आयोजनों में भाग लेंगे। एजुकेट गर्ल्स 5 से 21 दिसंबर तक राजस्थान के 10 जिलों में अपनी 8000 से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ आयोजन कर रहा है। टीम बालिका की सदस्य पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, बूंदी, भीलवाड़ा, राजसमंद, उदयपुर, झालावाड़ और बांसवाड़ा जिलों के अपने गांवों में यह संकल्प भी ले रहे हैं कि वे प्रत्येक लड़की को विद्यालय में भेजने के लिए और प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कराने में अपनी संस्था और सरकार को पूर्ण सहयोग देंगे। टीम बालिका सदस्यों द्वारा मध्य प्रदेश के 4 जिलों में भी यह उत्सव मनाया जा रहा है, जहां एजुकेट गर्ल्स परिचालन कर रहा है।

बालिकों को शिक्षा से जोड़ने का मिशन

एजुकेट गर्ल्स की संस्थापिका एवं कार्यकारी निदेशक सफीना हुसैन ने कहा कि दस साल पहले मैंने केवल कुछ लोगों के साथ बालिका शिक्षा के इस महत्वपूर्ण मिशन की शुरूआत की थी। आज एजुकेट गर्ल्स को इस मुकाम पर देखकर बहुत खुशी होती है। पहले गांव के पहले स्कूल से लेकर आज 12,000 गांवों के 21,000 स्कूलों तक हम पहुंच चुके हैं। साथ ही पहली लड़की को स्कूल से जोड़ने से लेकर आज 2,00,000 लड़कियों का नामांकन करवाने तक एक विनम्र अनुभव रहा है। एजुकेट गर्ल्स के कार्यक्रमों से इसके लाभार्थियों की संख्या बढ़कर अब 49 लाख तक पहुंच गई है, जो इसके प्रभाव को दर्शाता है। एजुकेट गर्ल्स को सरकार, देश-विदेश के डोनर्स-पार्टनर्स और एक सर्वश्रेश्ठ टीम का सहयोग प्राप्त है और मैं भारत के विकास में इन सभी के योगदान के लिए आभारी हूं। हम साथ मिलकर ऐसे भारत का निर्माण कर सकते हैं, जहां बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिये समान अवसर प्राप्त हों।

ऐसे की शुरूआत

एजुकेट गर्ल्स ने अपने कार्यक्रमों की शुरूआत वर्ष 2007 में राजस्थान के पाली जिले में 500-स्कूल पायलट परियोजना से की थी। यहां सफलता प्राप्त करने के बाद संस्था ने अन्य जिलों में विस्तार किया और वर्तमान में एजुकेट गर्ल्स राजस्थान और मध्य प्रदेश के 15 जिलों में सक्रिय है। एजुकेट गर्ल्स का व्यापक मॉडल मौजूदा संसाधनों का भरपूर उपयोग कर और ग्रामीण समुदायों का सशक्तिकरण कर सामुदायिक स्वामित्व के माध्यम से सरकारी विद्यालयों के प्रशासन में वृद्धि लाता है। इससे विद्यालयों में बालिकाओं का 90 प्रतिशत से भी अधिक नामांकन सुनिश्चित करने और ठहराव का उच्च स्तर हासिल करने में मदद मिली है। वर्ष 2018 तक भारत में शैक्षिक रूप से पिछड़े समुदायों में प्रतिवर्ष लगभग 25 लाख बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता सुनिश्चित हो पाए।

Dainik Adhikar

दैनिक प्रकाशन का स्वर्ण जयंती वर्ष

अधिकार

EDITION	DATE	PAGE, NO
Jaipur	07-Dec-2017	07

प्रदेश में स्कूल नहीं जाने वाली 2,00,000 लड़कियों का हुआ नामांकन

अलग-अलग समुदायों में कुल 690 कार्यक्रम

जयपुर (वासं)। शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा के लिये सामुदायिक और सरकारी संसाधनों को उन्नत करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स भारत में अपना 10वां स्थापना दिवस मना रही है। इस संस्था की 'टीम बालिका' नामक सामुदायिक स्वयं सेवक राजस्थान के 690 आयोजनों में भाग लेंगे। विगत दशक में इस संस्था ने लगभग 2,00,000 लड़कियों का नामांकन किया, जो विद्यालय नहीं जाती थीं, साथ ही सृजनात्मक शिक्षण तकनीकों के तहत राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में 6,50,000 से अधिक बच्चों की शिक्षण स्तर में सुधार किया। एजुकेट गर्ल्स 5 से लेकर 21 दिसंबर 2017 तक राजस्थान के 10 जिलों में अपनी 8000 से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ आयोजन कर रहा है। टीम बालिका की सदस्य पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, बूंदी, भीलवाड़ा, राजसमंद, उदयपुर, झालावाड़ और बांसवाड़ा जिलों के अपने गांवों में यह संकल्प भी ले रहे हैं कि वे प्रत्येक लड़की को विद्यालय में भेजने के लिए और प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कराने में अपनी संस्था और सरकार को पूर्ण सहयोग देंगे। टीम बालिका सदस्यों द्वारा मध्य प्रदेश के 4 जिलों में भी यह उत्सव मनाया जा रहा है, जहाँ एजुकेट गर्ल्स परिचालन कर रहा हैं। 10वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एजुकेट गर्ल्स की संस्थापिका एवं कार्यकारी निदेशक सफीना हुसैन ने कहा, ''दस साल पहले मैंने केवल कुछ लोगों के साथ बालिका शिक्षा के इस महत्वपूर्ण मिशन की शुरूआत की थी। आज एजुकेट गर्ल्स को इस मुकाम पर देखकर बहुत खुशी होती है। पहले गांव के पहले स्कूल से लेकर आज 12,000 गांवों के 21,000 स्कूलों तक हम पहुंच चुके हैं साथ ही पहली लड़की को स्कूल से जोड़ने से लेकर आज 2,00,000 लड़कियों का नामांकन करवाने तक एक विनम्र अनुभव रहा है। एजुकेट गर्ल्स के कार्यक्रमों से इसके लाभार्थियों की संख्या बढ़कर अब 49 लाख तक पहुंच गई है, जो इसके प्रभाव को दर्शाता है।

Jaipur Mahanagar Times

महानगर

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	06-Dec-2017	09

शिक्षा स्तर में सुधार के लिए 'एजुकेट गर्ल्स'

भारत में अपना 10वां स्थापना दिवस मना रही है संस्था

महानगर संवाददाता

जयपुर। शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा के लिए सामुदायिक और सरकारी संसाधनों को उन्नत करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स भारत में अपना 10वां स्थापना दिवस मना रही है।

इस संस्था की टीम बालिका नामक सामुदायिक स्वयंसेवक राजस्थान के 690 आयोजनों में भाग लेंगे। विगत दशक में इस संस्था ने लगभग 2,00,000 लड़कियों का नामांकन किया, जो विद्यालय नहीं जाती थीं, साथ ही सृजनात्मक शिक्षण तकनीकों के अंतर्गत राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में 6,50,000 से अधिक बच्चों की शिक्षण स्तर में सुधार किया। एजुकेट गर्ल्स 5 से लेकर 21 दिसम्बर 2017 तक राजस्थान के 10 जिलों में अपनी 8000 से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ आयोजन कर रहा है। टीम बालिका की सदस्य पाली, जालौर, सिरोही, अजमेर, बूंदी, भीलवाड़ा, राजसमंद, उदयपुर, झालावाड़ और बांसवाड़ा जिलों के अपने गांवों में यह संकल्प भी ले रहे

हैं कि वे प्रत्येक लड़की को विद्यालय में भेजने के लिए और प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कराने में अपनी संस्था और सरकार को पूर्ण सहयोग देंगे। टीम बालिका सदस्यों द्वारा मध्य प्रदेश के 4 जिलों में भी यह उत्सव मनाया जा रहा है, जहां एजुकेट गर्ल्स परिचालन कर रहा है। 10वें स्थापना दिवस के अवसर पर एजुकेट गर्ल्स की संस्थापिका एवं कार्यकारी निदेशक सफीना हुसैन ने कहा कि दस साल पहले मैंने केवल कुछ लोगों के साथ बालिका शिक्षा के इस महत्वपूर्ण मिशन की शुरुआत की थी।

आज एजुकेट गर्ल्स को इस मुकाम पर देखकर बहुत खुशी होती है। पहले गांव के पहले स्कूल से लेकर आज 12,000 गांवों के 21,000 स्कूलों तक हम पहुंच चुके हैं साथ ही पहली लड़की को स्कूल से जोड़ने से लेकर आज 2,00,000 लड़कियों का नामांकन करवाने तक का अनुभव रहा है।

Samachar Jagat

समाचार जगत

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	06-Dec-2017	08

राजस्थान में स्कूल नहीं जाने वाली 2 लाख लड़कियों का हुआ नामांकन

जयपुर, कासं। प्रदेश के शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में पिछले एक दशक में स्कूल नहीं जाने वाली लगभग 2 लाख लड़कियों का नामांकन हुआ है। लड़कियों की शिक्षा के लिए सामुदायिक और सरकारी संसाधनों को उन्नत करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स के प्रयासों से यह संभव हुआ है। यह संस्था भारत में अपना 10वां स्थापना दिवस मना रही है। संस्था की 'टीम बालिका' नामक सामुदायिक स्वयं सेवक राजस्थान के 690 जागरुकता आयोजनों में भाग लेंगे। एजुकेट गर्ल्स 5 से लेकर 21 दिसंबर 2017 तक राजस्थान के 10 जिलों में अपनी 8 हजार से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ आयोजन कर रहा है। टीम बालिका की सदस्य पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, बूंदी, भीलवाड़ा, राजसमंद, उदयपुर, झालावाड़ और बांसवाड़ा जिलों के अपने गांवों में यह संकल्प भी ले रहे हैं कि वे प्रत्येक लड़की को विद्यालय में भेजने के लिए और प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कराने में अपनी संस्था और सरकार को पूर्ण सहयोग देंगे।

Vir Arjun

वीर अर्जुन

www.virarjun.com

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	07-Dec-2017	08

राजस्थान में स्कूल नहीं जाने वाली लगभग 2,00,000 लड़कियों का हुआ नामांकन

अलग-अलग समुदायों में कुल 690 कार्यक्रम

वीर अर्जुन संवाददाता

जयपुर। शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा के लिये सामुदायिक और सरकारी संसाधनों को उन्नत करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स भारत में अपना 10वां स्थापना दिवस मना रही है। इस संस्था की 'टीम बालिका' नामक सामुदायिक स्वयं सेवक राजस्थान के 690 आयोजनों में भाग लेंगे। विगत दशक में इस संस्था ने लगभग 2,00,000 लड़कियों का नामांकन किया, जो विद्यालय नहीं जाती थीं, साथ ही सृजनात्मक शिक्षण तकनीकों के तहत राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में 6,50,000 से अधिक बच्चों की शिक्षण स्तर में सुधार किया। एजुकेट गर्ल्स 5 से लेकर 21 दिसंबर 2017 तक राजस्थान के 10 जिलों में अपनी 8000 से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ आयोजन कर रहा है। टीम बालिका की सदस्य पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, बूंदी, भीलवाड़ा, राजसमंद, उदयपुर, झालावाड़ और बांसवाड़ा जिलों के अपने गांवों में यह संकल्प भी ले रहे हैं कि वे प्रत्येक लड़की को विद्यालय में भेजने के लिए और प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कराने में अपनी संस्था और सरकार को पूर्ण सहयोग देंगे।

टीम बालिका सदस्यों द्वारा मध्य प्रदेश के 4 जिलों में भी यह उत्सव मनाया जा रहा है, जहाँ एजुकेट गर्ल्स परिचालन कर रहा है। 10वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए एजुकेट गर्ल्स की संस्थापिका एवं कार्यकारी निदेशक सफीना हुसैन ने कहा, "दस साल पहले मैंने केवल कुछ लोगों के साथ बालिका शिक्षा के इस महत्वपूर्ण मिशन की शुरूआत की थी। आज एजुकेट गर्ल्स को इस मुकाम पर देखकर बहुत खुशी होती है। पहले गांव के पहले स्कूल से लेकर आज 12,000 गांवों के 21,000 स्कूलों तक हम पहुंच चुके हैं साथ ही पहली लड़की को स्कूल से जोड़ने से लेकर आज 2,00,000 लड़कियों का नामांकन करवाने तक एक विलक्षण अनुभव रहा है। एजुकेट गर्ल्स के कार्यक्रमों से इसके लाभार्थियों की संख्या बढ़कर अब 49 लाख तक पहुंच गई है, जो इसके प्रभाव को दर्शाता है।

Jagrukh Times
EDITION Jaipur
DATE 09-Dec-2017
PAGE NO 04

एज्यूकेट गर्ल्स परियोजना का स्थापना दिवस मनाया

जागरूक टाइम्स संवाददाता भीनमाल। बालिका शिक्षा को बढावा देने को लेकर प्रयासरत एज्यूकेट गर्ल्स परियोजना का स्थानीय राप्रावि गोशाला रोड प्रांगण में दसवां स्थापना दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम सहायक डूंगरसिंह धवला ने एज्यूकेट गर्ल्स परियोजना द्वारा संचालित कार्यक्रमों व उपलब्धियों से अवगत करवाकर पात्र बालिकाओं को लाभ उठाने की बात कही।

ब्लॉक अधिकारी वसीम खान ने संस्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कार्यक्रमों का उत्साहवर्धन किया। प्रधानाध्यापक सुरेश माली ने भी विचार व्यक्त किए। जिला कार्यक्रम सहायक डूंगरसिंह

धवला ने ज्ञान का पिटारा किट की सामग्री एवं इसके उपयोग के बारे में बिस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान जलेबी दौड़, मैजिक चेयर व मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को बैग व अनुभव प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का संचालन गोविंद जयपाल ने किया। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मंजूदेवी, क्षेत्रीय समन्वयक फौजाराम व कीना कुमारी समेत कई अभिभावक मौजूद थे।

मालवाड़ा। अटल सेवा केंद्र मालवाड़ा में एज्यूकेट गर्ल्स परियोजना का 10वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुणाल विश्नोई व्याख्याता

एवं दर्शनसिंह की अध्यक्षता एवं वार्डपंच नरपतसिंह देवड़ा के विशिष्ट अतिथ्यि में सम्पन्न हुआ। एज्यूकेट गर्ल्स की क्षेत्रीय समन्वयक गीतादेवी ने बताया कि कार्यक्रम में म्युजिकल चेयर, एकल नृत्य आदि प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम में सभी ने बालिका शिक्षा का महत्व बताते हुए टीम बालिकाओं एवं एजुकेट गर्ल्स के प्रयासो कि सराहना की। कार्यक्रम एवं मंच संचालन क्षेत्रीय समन्वयक योगेश जोशी ने किया। इस अवसर पर रणजीत आर्य, नारायण पटेल, महेन्द्र गर्ग, बचनाराम, हरेश कुमार, जयन्तिलाल, विमला, आरती, ममता, टीना आदि बालिकाओं ने भाग लिया।

रामसीन। एज्यूकेट गर्ल्स संस्था द्वारा 10वां फाउण्डेशन डे हर्षोल्लास सें सरियादेवी मंदिर प्रागण में मनाया गया। इस मौके पर सरपंच जोगेश कुमार मीणा ने बताया कि बालिका हर गांव में निःस्वार्थ भाव से ड्रापआउट एवं अनामांकित बालिका को जोड़ने का कार्य करती है। यह कार्य सराहनीय है।

इसी के साथ संस्था के डीएम सबनम सैफी, डीपीओ रजनीश शर्मा, ब्लॉक ऑफिसर नारायणलाल सरेल, क्षैत्रि समन्वयक सुरेश कुमार, हरचंद, प्रधानाध्यापक राप्रावि रेबारियों का वास, वचनाराम काबावत, वार्डपंच ओमप्रकाश अग्रवाल, पंचायत सहायक हिम्मत प्रजापत, हरिसिंह, सुरेश रामावत, लक्ष्मण परमार, ग्रामीण मगनलाल नामा सहित समस्त टीम बालिका उपस्थित थी।

Evening Samachar Jagat

सायंकालीन समाचार जगत

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	06-Dec-2017	02

राजस्थान में स्कूल नहीं जाने वाली 2 लाख लड़कियों का हुआ नामांकन

जयपुर, कासं। प्रदेश के शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में पिछले एक दशक में स्कूल नहीं जाने वाली लगभग 2 लाख लड़कियों का नामांकन हुआ है। लड़कियों की शिक्षा के लिए सामुदायिक और सरकारी संसाधनों को उन्नत करने वाली एक गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स के प्रयासों से यह संभव हुआ है। यह संस्था भारत में अपना 10वां स्थापना दिवस मना रही है। संस्था की 'टीम बालिका' नामक सामुदायिक स्वयं सेवक राजस्थान के 690 जागरुकता आयोजनों में भाग लेंगे। एजुकेट गर्ल्स 5 से लेकर 21 दिसंबर 2017 तक राजस्थान के 10 जिलों में अपनी 8 हजार से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ आयोजन कर रहा है। टीम बालिका की सदस्य पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, बूंदी, भीलवाड़ा, राजसमंद, उदयपुर, झालावाड़ और बांसवाड़ा जिलों के अपने गांवों में यह संकल्प भी ले रहे हैं कि वे प्रत्येक लड़की को विद्यालय में भेजने के लिए और प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कराने में अपनी संस्था और सरकार को पूर्ण सहयोग देंगे।

Punjab Kesari

पंजाब केसरी

EDITION	DATE	PAGE NO
Jaipur	06-Dec-2017	02

स्कूल नहीं जाने वाली दो लाख लड़कियों का हुआ नामांकन

जयपुर, (वार्ता): शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा के लिये सामुदायिक और सरकारी संसाधनों को उन्नत करने वाली गैर-लाभकारी संस्था एजुकेट गर्ल्स भारत में अपना 10वां स्थापना दिवस मना रही है। इस संस्था की 'टीम बालिका' नामक सामुदायिक स्वयं सेवक राजस्थान के 690 आयोजनों में भाग लेंगे। विगत दशक में इस संस्था ने लगभग दो लाख लड़कियों का नामांकन किया, जो विद्यालय नहीं जाती थी। साथ ही सृजनात्मक शिक्षण तकनीकों के तहत राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में 6,50,000 से अधिक बच्चों के शिक्षण स्तर में सुधार किया। एजुकेट गर्ल्स 5 से लेकर 21 दिसम्बर,2017 तक राजस्थान के 10 जिलों में अपनी 8000 से अधिक टीम बालिका सदस्यों के साथ आयोजन कर रहा है। टीम बालिका की सदस्य पाली, जालोर, सिरोही, अजमेर, बूंदी, भीलवाड़ा, राजसमंद, उदयपुर, झालावाड़ और बांसवाड़ा जिलों के अपने गांवों में यह संकल्प भी ले रहे हैं कि वे प्रत्येक लड़की को विद्यालय में भेजने के लिए और प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कराने में अपनी संस्था और सरकार को पूर्ण सहयोग देंगे।